Series : 5WXZY

SET ~ 3

प्रश्न-पत्र कोड **2/5/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

(ii) ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(iv) ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

कई बार मनुष्य अपने अनुचित कार्यों या अवांछनीय स्वभाव के संबंध में दुखी होता है और सोचता है कि उन्हें वह छोड़ दे। उन कृत्यों की प्रतिक्रिया उसने देखी-सुनी होती है। उसे परामर्श और उपदेश भी उसी प्रकार के मिलते रहते हैं, जिनमें सुधार करने की अपेक्षा रहती है। सुनने में यद्यपि वे सारगर्भित परामर्श होते हैं, किंतु जब छोड़ने की बात आती है तो मन मुकर जाता है। अभ्यस्त प्रकृति को छोड़ने के लिए मन सहमत नहीं होता। आर्थिक तंगी, बदनामी, स्वास्थ्य की क्षति, मनोमालिन्य, आदि अनुभवों के कारण बार-बार सुधरने की बात सोचने और समय आने पर उसे न कर पाने से मनोबल टूटता है। बार-बार मनोबल टूटने पर व्यक्ति इतना दुर्बल हो जाता है कि उसे यह विश्वास ही नहीं होता कि उनका सुधार हो सकता है और यह कल्पना करने लगते हैं कि जीवन ऐसे ही बीत जाएगा और दुर्व्यसनों से किसी भी प्रकार मुक्ति नहीं मिल सकेगी।

यह सर्वविदित बात है कि मनुष्य अपने मन का स्वामी है, शरीर पर भी उसका अधिकार है। सामान्य जीवन में वह अपनी अभिरुचि के अनुसार ही सोचकर कार्य करता है। किंतु दुष्प्रवृत्तियों के संबंध में ही ऐसी क्या बात है कि वे चाहकर भी नहीं छूट पातीं और प्रयास करने के बावजूद भी सिर पर ही सवार रहती हैं।

अंधविश्वास, दिखावा, खर्चीली शादियाँ, कुप्रथाएँ, तर्कहीन रीति-रिवाजों जैसी अनेक कुरीतियाँ ऐसी हैं, जिन्हें बुद्धि-विवेक और तर्क के आधार पर हर कोई नकारता है, किंतु जब करने का समय आता है तो सभी पुराने अभ्यस्त चिंतन पर चल पड़ते हैं और वही करने लग जाते हैं जिसे न करने की बात अनेक बार सोचते रहते हैं।

(i) मनुष्य अनुचित कार्यों को क्यों छोड़ना चाहता है ? *1*

(A) दुख का कारण होने के कारण

(B) सुखद होने के कारण

(C) अवांछनीय होने के कारण

(D) प्रशंसनीय होने के कारण

(ii) गद्यांश के अनुसार व्यक्ति के कृत्यों पर उसे किस प्रकार के परामर्श मिलते हैं ? *1*

(A) सुधारात्मक

(B) प्रचारात्मक

(C) उपेक्षात्मक

(D) स्वीकारात्मक

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

कथन I : मन अभ्यस्त प्रकृति छोड़ने के लिए सहमत हो जाता है।

कथन II : मन को अभ्यस्त प्रकृति छोड़ने के लिए कोई परामर्श नहीं मिलता।

कथन III : मन अभ्यस्त प्रकृति छोड़ने से असहमत ही रहता है।

कथन IV : सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण व्यक्ति का मन अवांछनीय कृत्यों को छोड़ने के लिए सहमत नहीं होता।

गद्यांश के अनुसार कौन-से कथन सही हैं ? *1*

(A) केवल कथन I और II सही हैं।

(B) केवल कथन II और III सही हैं।

(C) केवल कथन III और IV सही हैं।

(D) केवल कथन I और IV सही हैं।

(iv) अवांछनीय स्वभाव की हानियाँ कौन-कौन सी हैं ? *1*

(v) मनुष्य का मनोबल टूटने का क्या परिणाम होता है ? *2*

(vi) मनुष्य दुष्प्रवृत्तियों को क्यों नहीं छोड़ पाता ? *2*

(vii) जिस काम को मनुष्य नहीं करने की सोचता है, उसी काम को वह फिर से क्यों करने लग जाता है ? *2*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

जीवन का अभियान दान-बल से अजस्त्र चलता है,
उतनी बढ़ी ज्योति, स्नेह जितना अनल्प जलता है।
और दान में रोकर या हँसकर हम जो देते हैं,
अहंकारवश उसे स्वत्व का त्याग मान लेते हैं।
यह न स्वत्व का त्याग, दान तो जीवन का झरना है,
रखना उसको रोक, मृत्यु से पहले ही मरना है,
किस पर करते कृपा वृक्ष यदि अपना फल देते हैं ?
गिरने से उसको सँभाल, क्यों रोक नहीं लेते हैं ?
ऋतु के बाद फलों का रुकना डालों का सड़ना है,
मोह दिखाना देय वस्तु पर आत्मघात करना है।
देते तरु इसलिए कि रेशों में मत कीट समाएँ
रहें डालियाँ स्वस्थ कि उनमें नये-नये फल आएँ
जो नर आत्मदान से अपना जीवन घट भरते हैं
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरते हैं
जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला।

(i) दान को जीवन का झरना क्यों कहा गया है ? *1*

(A) दान कभी व्यर्थ नहीं जाता

(B) दान देने से कीर्ति बनी रहती है

(C) दान को रोकने से मृत्यु से पहले ही मृत्यु हो जाती है

(D) दान देने से जीवन की निरंतरता बनी रहती है

(ii) 'अंतिम मोल चुकाने वाला' से अभिप्राय है : *1*

(A) वस्तु की अंतिम कीमत अदा करने वाला

(B) स्वत्व का त्याग कर, परोपकार का दीया जलाने वाला

(C) स्वत्व की पूर्ति हेतु कोई भी कीमत अदा करने वाला

(D) कीमत के आधार पर लोगों की सहायता करने वाला

(iii) कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाला/वाले कथन है/हैं : *1*

(I) दान से जीवन को गति मिलना

(II) परोपकार की प्रेरणा

(III) मृत्यु का वरण करना

विकल्प :

(A) केवल (I)

(B) केवल (II)

(C) (I) और (II) दोनों

(D) (I), (II) और (III) तीनों ही

(iv) कवि ने लोगों के द्वारा दान को क्या मान लेने की बात कही है ? *1*

(v) वृक्ष और फलों का उदाहरण यहाँ किस उद्देश्य से दिया गया है ? *2*

(vi) आत्मदान करने वाले लोग अमर क्यों हो जाते हैं ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) वैज्ञानिक आविष्कारों का आधुनिक भारत

(ii) लुप्त हो रहे जंगलों का दुष्परिणाम

(iii) हमारे अधिकार और कर्तव्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन-सा है ? उसकी सबसे बड़ी विशेषता का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इसकी भाषा कैसी होनी चाहिए।

(ii) समाचार लेखन के छह ककारों से आप क्या समझते हैं ? इन ककारों की समाचार लेखन में भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(iii) विशेष लेखन क्या है ? विशेष लेखन और डेस्क का क्या संबंध है ? स्पष्ट कीजिए।

(iv) नाट्य रूपांतरण करते समय कहानी के किन तत्त्वों को नाटक में ढालना मुश्किल होता है ?

(v) नए और अप्रत्याशित विषय पर लिखने से आप क्या समझते हैं ? इसका अभ्यास न होने पर क्या हानि होती है ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) जनसंचार के विभिन्न माध्यम आपस में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं या पूरक सहयोगी ? इस संबंध में तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए।

(ii) 'उल्टा पिरामिड शैली' का विकास कैसे हुआ ? समाचार लेखन में इस शैली का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(iii) समाचार-पत्र में विचारपरक लेखन का महत्त्व बताते हुए संपादकीय लेखन पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।
झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से ज़रा भी कम नहीं होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

(i) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I	*कॉलम-II*
1. छोटा मेरा खेत	(i) कागज का पन्ना
2. अंकुर फूटना	(ii) साहित्यिक कृति का रूप धारण करना
3. पल्लवित पुष्पित होना	(iii) भावनाओं को शब्द मिलना

विकल्प :

(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

(D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(ii) कवि-कर्म की दृष्टि से बीज हो सकता है :

(A) विचार और अभिव्यक्ति का

(B) कवि के परिश्रम का

(C) कल्पना का

(D) शब्दों का

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : साहित्यिक कृति की अलौकिक रसधारा कालजयी होती है।

कारण : असंख्य पाठकों द्वारा अनंतकाल तक पढ़े जाने पर भी इसका आनंद समाप्त नहीं होता।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) 'झूमने लगे फल' का आशय है :

(A) बीज अंकुरित होने लगे

(B) फल हवा के संपर्क से झूमने लगे

(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा

(D) बीज फूलों का रूप धारण करने लगे

(v) 'बीज गल गया निःशेष' – पंक्ति से क्या संकेत मिलता है ?

(A) खेतों में फ़सल उगाने के लिए बीजों को मिट्टी में बोना पड़ता है।

(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है ।

(C) बीजों के गलने पर ही खेतों में फ़सल के अंकुर फूटते हैं।

(D) कल्पना के संसर्ग बिना साहित्यिक कृति की रचना असंभव है।

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) ' 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है।' सिद्ध कीजिए।

(ii) 'रुबाई' से आप क्या समझते हैं ? पाठ्यक्रम में संकलित रुबाई 'आँगन में लिए चाँद के टुकड़े... ' के आधार पर लिखिए कि आकाश के चाँद और गोदी के चाँद में क्या समानता है ।

(iii) 'बादल राग कविता एक ओर जीवन निर्माण के नए राग का सूचक है, तो दूसरी ओर नव निर्माण के कारक भैरव संगीत का'– इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'उषा' कविता में भोर के नभ को राख से लीपा हुआ चौका क्यों कहा गया है ?

(ii) जब शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति से उसके दुख के बारे में पूछा जाता है, तो वह अपने दुख को क्यों नहीं व्यक्त कर पाता ? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में लिखिए।

(iii) कोई बात पेचीदा कैसे हो जाती है ? 'बात सीधी थी' कविता के आधार पर लिखिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

भक्तिन के संस्कार ऐसे हैं कि वह कारागार से वैसे ही डरती है, जैसे यमलोक से। ऊँची दीवार देखते ही वह आँख मूँदकर बेहोश हो जाना चाहती है। उसकी यह कमजोरी इतनी प्रसिद्धि पा चुकी है कि लोग मेरे जेल जाने की संभावना बता-बताकर उसे चिढ़ाते रहते हैं। वह डरती नहीं, यह कहना असत्य होगा; पर डर से भी अधिक महत्त्व मेरे साथ का ठहरता है। चुपचाप मुझसे पूछने लगती है कि वह अपनी कै धोती साबुन से साफ़ कर ले, जिससे मुझे वहाँ उसके लिए लज्जित न होना पड़े। क्या-क्या सामान बाँध ले, जिससे मुझे वहाँ किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं, यह आश्वासन भक्तिन के लिए कोई मूल्य नहीं रखता। वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित।

(i) भक्तिन किससे और कैसे डरती है ?

(A) लेखिका से यमराज की तरह

(B) ज़मींदार से यमराज की तरह

(C) कारागार से यमलोक की तरह

(D) पिंजड़े से बाघ की तरह

(ii) 'ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं' पंक्ति में 'ऐसी यात्रा' से अभिप्राय है :

(A) जेल यात्रा

(B) तीर्थ यात्रा

(C) अंतिम यात्रा

(D) शोभा यात्रा

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :

(A) भक्तिन के मन में कारागार का कोई डर नहीं।

(B) भक्तिन के मन में कारागार से भी बड़ा डर लेखिका का साथ छूटने का है।

(C) भक्तिन के मन में कारागार से बड़ा कोई डर नहीं है।

(D) भक्तिन कारागार छोड़कर, सब जगह लेखिका के साथ जाना चाहती है।

(iv) गद्यांश के आधार पर भक्तिन की चारित्रिक विशेषताओं के संदर्भ में कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I	*कॉलम-II*
1. भक्तिन की निडरता	(i) प्रबंध कौशल
2. सामान का बाँधना	(ii) अपमान
3. लेखिका के साथ न जा पाना	(iii) असत्य

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(B) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(C) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(D) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(v) गद्यांश का केन्द्रीय भाव हो सकता है :

(A) भक्तिन की दूरदर्शिता

(B) महादेवी के प्रति आत्मीयता

(C) भक्तिन का कारावास से भय

(D) भक्तिन का प्रबंध-कौशल

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'आवश्यकता से अधिक खरीददारी ही बाज़ार में शोषण का रूप धारण कर लेती है।' 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर इस कथन के पक्ष में तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में अनावृष्टि को दूर करने के लिए अंतिम उपाय के रूप में क्या किया जाता है ? इस उपाय के प्रति लेखक के दृष्टिकोण के विषय में अपनी राय स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि गाँव में फैली महामारी के समय प्रकृति भी मनुष्य के दुख में दुखी थी।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) शिरीष और कबीर दोनों को हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने एक ही श्रेणी में किस आधार पर रखा है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' — शीर्षक पाठ में अंबेडकर ने आदर्श-समाज का आधार किन तत्त्वों को माना है ? उनके अनुसार लोकतंत्र में क्या भाव होने चाहिए ?

(iii) भक्तिन का कौन-सा गुण विस्मित कर देने वाला था और क्यों ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर यशोधर बाबू की पत्नी के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'जूझ' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि लेखक के पिता उसे स्कूल क्यों नहीं भेजना चाहते थे। पिता के रूप में उनके चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

(iii) 'सिंधु सभ्यता एक नागर संस्कृति थी' – इस कथन के विषय में अपने विचार लिखिए।

अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड-- 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें । एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series 5WXZY प्रश्न-पत्र कोड 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/5/1	2/5/2	2/5/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(A) दुख का कारण होने के कारण	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) सुधारात्मक	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) केवल कथन III और IV सही हैं।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• आर्थिक तंगी, बदनामी, स्वास्थ्य की क्षति, मनोमालिन्य आदि।	**1**
	(v)	(v)	(v)	• दुर्बल होना • दुर्व्यसनों से मुक्ति मिलने की आशा का न रहना • जीवन में निराशा और नकारात्मकता का घर कर जाना • आत्मविश्वास का डगमगा जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• स्वयं पर विश्वास न जम पाने के कारण • शरीर पर दुर्बल मन का अधिकार होने के कारण • सामाजिक प्रतिष्ठा, कुरीतियों का विरोध न कर पाने की हिम्मत न जुटा पाने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• दिखावे की प्रवृत्ति के कारण • सामाजिक दबाव के कारण • पारंपरिक आस्था के कारण • गहरे तक मन में बैठे तर्कहीन प्रयासों का बुद्धि विवेक पर हावी हो जाने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(D) दान देने से जीवन की निरंतरता बनी रहती है	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(B) स्वत्व का त्याग कर, परोपकार का दीया जलाने वाला	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) (i) और (ii) दोनों	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• अहंकार के कारण स्वत्व का त्याग	1
	(v)	(v)	(v)	• देय वस्तु के प्रति मोह दिखाने के लिए • मानव जीवन की सार्थकता को नष्ट करने के लिए	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• परोपकार हेतु जीवन व्यतीत करने के कारण • जीवन को गति देने के कारण	2
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	4	3	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1= 6
4	**4**	**3**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	(i)	(i)	माध्यम- • मुद्रित माध्यम विशेषता- • स्थायित्व • सस्ता • कहीं से भी, कभी-भी पढ़ने की सुविधा आदि (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+ ½+½

				भाषा- ● सरल और प्रचलित भाषा	
	(ii)	(ii)	(ii)	आशय- ● समाचार को लिखते हुए छह सवालों का जवाब देने की कोशिश ● छह ककार - क्या, किसके (कौन), कहाँ, कब, क्यों और कैसे (कोई एक बिंदु अपेक्षित) भूमिका- ● प्रारंभ के तीन या चार ककारों का समाचार लेखन के इंट्रो (मुखड़ा) में प्रयोग ● शेष दो ककार 'क्यों' और 'कैसे' का समाचार लेखन की बॉडी में प्रयोग (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	विशेष लेखन- ● किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन संबंध- ● समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, दूरदर्शन आदि में विशेष लेखन के लिए अलग-अलग डेस्क ● विशेष डेस्क पर काम करने वाले पत्रकार को अपने विषय की विशेषज्ञता और तकनीकी शब्दावली का ज्ञान (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iv)	(iv)	(iv)	● परिस्थिति, परिवेश, पात्र और कथानक संबंधी टिप्पणियों का दृश्यों में न ढाल पाना ● पात्रों के मनोभावों एवं द्वंद्व की अभिव्यक्ति कठिन	2
	(v)	(v)	(v)	आशय- ● परंपरा से चले आ रहे विषयों से हटकर नए और मौलिक विषयों पर लेखन हानि- ● सृजनात्मक लेखन-कौशल का विकास न हो पाना	1+1

5	**5**	5	5	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	-	-	क्यों- ● रेडियो का श्रव्य माध्यम होना ● समस्त प्रस्तुति ध्वनि, स्वर और शब्दों पर निर्भर ● श्रोताओं की अभिरुचि एवं माँग के अनुरूप कार्यक्रमों की प्रस्तुति (कोई दो बिंदु अपेक्षित) सुविधाएँ नहीं- ● सुविधानुसार/इच्छानुसार खबरों को सुनने की ● शब्दों के अर्थ समझने के लिए रुकने की ● अखबार की तरह पीछे लौटने की ● पुन: सुनने, शब्दकोश की सहायता लेने का अवसर न होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
	(ii)	-	-	महत्त्व- ● पत्रकारीय लेखन के लिए कच्ची सामग्री का माध्यम अपेक्षित गुण- ● विषय विशेष की पर्याप्त जानकारी ● संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य और साहस ● सटीक प्रश्न-निर्माण क्षमता	1+3
	(iii)	-	-	महत्त्व - ● जीवन का मूल आधार ● आर्थिक क्रियाकलापों के बिना आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं ● पाठक विशेष की रुचि (कोई दो बिंदु अपेक्षित) विशेषताएँ - ● आर्थिक जगत की विशेष जानकारी ● आर्थिक जगत के उतार-चढ़ाव के बारे में विश्लेषण की क्षमता ● विशेष पाठकों के साथ ही जन-सामान्य को भी आर्थिक शब्दावली समझाने में सक्षम होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2

	-	(i)	-	माध्यम- ● प्रिंट/मुद्रित माध्यम खूबियाँ- ● छपे हुए शब्दों में स्थायित्व ● बार-बार पढ़ सकने की सुविधा ● अपनी गति से पढ़कर सोचने की सुविधा खामियाँ – ● निरक्षरों के लिए अनुपयोगी ● तुरंत घटी घटनाओं का प्रस्तुतीकरण संभव नहीं ● छपी हुई गलतियों में सुधार संभव नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+ 1½+ 1½
	-	(ii)	-	● समाचार तात्कालिक घटनाओं से पाठकों को परिचित कराता है, जबकि फीचर में ऐसा आवश्यक नहीं ● समाचार में अपने विचारों के बजाय तथ्यात्मकता पर बल दिया जाता है, किंतु फीचर में स्वयं के विचारों को प्रकट करने की आजादी ● फीचर में अधिकांशतः आत्मनिष्ठ शैली जबकि समाचार में कथात्मक और विश्लेषणात्मक शैली ● फीचर की भाषा-सहज-सरल, आकर्षक, रोचक एवं मनमोहक जबकि समाचारों की भाषा में सपाटबयानी	4
	-	(iii)	-	● अधिकतर लोगों की खेलों में रुचि ● खेल व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा का वाहक ● जीवन में व्यस्तता के बावजूद खेलों में दिलचस्पी बने रहना ● वर्तमान समय में अपराध या घोटालों से जुड़े समाचारों के बीच, खेल स्वस्थ और ताज़गी प्रदान करने में सहायक ● वर्तमान समय में खिलाड़ियों और पत्रकारों के लिए खेल जगत में भविष्य की असीम संभावनाएँ ● खेलों के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना का विकास (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4

	-	-	(i)	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	4
	-	-	(ii)	विकास- ● 19वीं सदी के मध्य में शुरुआत ● अमेरिका में हुए गृहयुद्ध के दौरान ● लेखन और संपादन की सुविधा ● टेलीग्राफ़िक सेवाओं का मँहगा, अनियमित और दुर्लभ होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) महत्त्व- ● संपादन की सुविधा के कारण यह शैली समाचार लेखन की मानक शैली ● इसमें महत्त्वपूर्ण सूचना या जानकारी पहले पैराग्राफ में और कम महत्त्वपूर्ण बाद में ● आकर्षक, ग्राह्य, सीमित समय और स्थान में भी समाचार पाठकों, श्रोताओं या दर्शकों तक पहुँच (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
	-	-	(iii)	महत्त्व- ● विचारपरक लेखन के माध्यम से समझ का बढ़ना ● घटनाओं के कारणों और प्रभावों की व्यापकता की जानकारी टिपण्णी- ● संपादकीय समूह द्वारा लेखन ● किसी सम-सामयिक या महत्त्वपूर्ण विषयों पर संपादकीय समूह की राय ● जनमत निर्माण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	**6**	**6**	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) विचार और अभिव्यक्ति का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1

	(iv)	(iv)	(iv)	(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा	1
	(v)	(v)	(v)	(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है।	1
7	7	7	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =6)
	(i)	-	-	• माँ द्वारा अपने बच्चे को गोद में लेकर हाथों पर झूला झुलाना, लोका देना, बच्चे की खिलखिलाती हँसी गूँजना • गेसुओं में कंघी करना, घुटनों में लेकर कपड़े पहनाना • दर्पण में चाँद दिखाकर बच्चे को बहलाना • दीपावली पर घर सजाना, बच्चे के घरौंदे में दीपक जलाना • बहन का अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ii)	-	-	(कथन के संदर्भ में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	3
	(iii)	-	-	प्रकृति पर प्रभाव - • पृथ्वी के गर्भ में सोए अंकुरों का प्रस्फुटित होना • छोटे-छोटे पौधों का प्रफुल्लित होना, उनमें नवजीवन का संचार • ऊँचे पर्वतों का कंपायमान होना किसानों पर प्रभाव- • आशा का संचार • फसलों का लहलहाना • कृषक वर्ग का झूमना	1½+ 1½
	-	(i)	-	• क्रांति में सामान्य-जन की भूमिका महत्त्वपूर्ण • शोषक वर्ग एवं शोषण का अंत • सामान्य-जन की प्रसन्नता का कारण (कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	3

	-	(ii)	-	किसे- ● पेट की आग (भूख) क्यों- ● नैतिक-अनैतिक सभी कार्यों को करने के लिए विवश होना किस प्रकार- ● राम रूपी घनश्याम (मेघ) के कृपा-जल द्वारा	1+1+ 1
	-	(iii)	-	● घटाओं में बिजली की चमक एवं ऊर्जा के समान भाई-बहन के हृदयों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम विद्यमान ● घटाओं में चमकती बिजली के समान भाई की कलाई पर राखी के लच्छों का चमकना ● घटा का जो संबंध बिजली से, वही संबंध भाई का बहन से	3
	-	-	(i)	● साधारण मनुष्य की भाँति प्रलाप करना ● भावी परिणाम से शोकाकुल राम का भयभीत होना ● स्वयं की असहाय स्थिति का उल्लेख करना	3
	-	-	(ii)	रुबाई – ● उर्दू और फारसी का चार पंक्तियों वाला एक छंद या लेखन शैली ● पहली, दूसरी और चौथी पंक्ति तुकांत, तीसरी पंक्ति स्वच्छंद (कोई एक बिंदु अपेक्षित) समानता- ● एक-दूसरे के पूरक ● सौंदर्य से परिपूर्ण ● माँ की गोद में बच्चा और आकाश में चमकते चाँद द्वारा ममत्व और वात्सल्य भाव को पूर्णता प्रदान करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2
	-	-	(iii)	● बादल क्रांति का वाहक है और शोषितों के जीवन में क्रांति के पश्चात ही खुशहाली संभव ● शोषक वर्ग क्रांति से घबराता है, उसके मन में क्रांति के प्रति डर की भावना (कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	3

8	8	8	8	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	• श्यामलता के साथ सफेदी का मिश्रण • नमी • पवित्रता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ii)	(ii)	(ii)	• मीडियाकर्मी द्वारा पूछे गए बेतुके प्रश्न • अधिक संवेदनशील होने के कारण अपने दुख की अभिव्यक्ति में असहजता • मीडियाकर्मी द्वारा उसकी पीड़ा को कुरेदकर उसे और दुखी करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	(iii)	• बात को सहज, सरल या स्पष्ट रूप से न कहने पर • बात को तोड़-मरोड़, उलट-पुलट कर उलझा देने पर • कठिन शब्दावली का प्रयोग करने पर • पांडित्य-प्रदर्शन करने पर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
9	9	10	9	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) कारागार से यमलोक की तरह	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) जेल यात्रा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) भक्तिन के मन में कारागार से भी बड़ा डर लेखिका का साथ छूटने का है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) 1– (iii), 2 – (i), 3 – (ii)	1
	(v)	(v)	(v)	(B) महादेवी के प्रति आत्मीयता	1
10	**1**0	9	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =**6**)
	(i)	(i)	(i)	• अनावश्यक वस्तु को भी आवश्यक मानकर खरीदारी करना • पर्चेजिंग पॉवर (क्रय शक्ति) का अहंकार • माँग और पूर्ति का सीधा असर बाज़ार में दिखाई देना • दो भाइयों या सहृदयों का भी विक्रेता और ग्राहक की तरह काम करने लगना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

	(ii)	(ii)	(ii)	अंतिम उपाय- ● गाँव के बच्चों की इंदर सेना (मेंढ़क मंडली) का जुलूस निकालना ● कठिनाई से इकठ्ठा किए गए पानी को गाँव वालों द्वारा इंदर सेना पर उँड़ेलना राय- (परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	1+2
	(iii)	(iii)	(iii)	● अँधेरी रात का चुपचाप आँसू बहाना ● चारों तरफ निस्तब्धता और अंधकार का वातावरण होना ● सियारों, कुत्तों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज	3
11	11	12	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	● शिरीष के समान ही कबीर की मस्ती, फक्कड़पन, बेपरवाही और सरसता ● संघर्षों का सामना करते हुए दोनों का मस्त, बेपरवाह बने रहना	2
	(ii)	(ii)	(ii)	तत्त्व- ● स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता भाव- ● सामूहिक दिनचर्या की रीति ● समाज के सम्मिलित अनुभवों का आदान-प्रदान ● साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	गुण- ● सहज बुद्धि के बल पर लोगों के भाव पहचानना क्यों - ● लेखिका के प्रति समर्पित लोगों के प्रति ही विशेष सम्मान तथा सद्भाव रखना	1+1

12	12	11	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	● वैचारिक मतभेद ● दूसरे बेटे द्वारा 'एलाइड सर्विसेज' की नौकरी ज्वाइन न करना ● तीसरे बेटे द्वारा स्कॉलरशिप लेकर अमेरिका चले जाना ● बेटी द्वारा सभी प्रस्तावित वर अस्वीकार करना ● पत्नी द्वारा बिना बाजू का ब्लाउज पहनना, ऊँची हील वाली सैंडिल पहनना, आधुनिक जीवन-शैली अपनाना ● पत्नी द्वारा सदैव बच्चों का पक्ष लेना ● परिजनों का उनसे सलाह न लेना ● तनख्वाह उनके हाथ में न देना ● संयुक्त खाता न खुलवाना ● संबंधियों से दूरी बनाना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	(ii)	-	-	(कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
	(iii)	-	-	● नगर योजना सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से तार्किक ● उन्नत, सुनियोजित, अद्वितीय वास्तुकला का उदाहरण ● आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों से बेहतर ● बाढ़ से बचने के लिए पूरा शहर छोटे-मोटे टीलों पर आबाद ● सड़कें चौड़ी, सीधी या आड़ी ● जल निकासी का उचित प्रबंध, नालियाँ पक्की और ढकी हुई ● घर, सार्वजनिक स्थल, कुंड एवं कुँओं की बनावट (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
-	(i)	-		कारण- ● संयुक्त परिवार की आवश्यकता एवं महत्त्व को स्वीकारना ● परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति ● परंपरावादी सोच	2+3

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	
	-	(ii)	-	(परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	(iii)	-	(कथन के पक्ष या विपक्ष में परीक्षार्थी के उचित एवं तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	-	(i)	• संयुक्त परिवार के प्रति असहज होते हुए भी सामंजस्य में सफल • आधुनिकता की पक्षधर • नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप खुद को ढालने में सक्षम • संतान की प्रत्येक बात में सहमति • फैशनपरस्त • ग़रीब रिश्तेदारों से दूरी (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(ii)	स्कूल क्यों नहीं भेजना – • कर्त्तव्यों के प्रति उदासीनता • पढ़ाई के महत्त्व को न समझना चरित्र का विश्लेषण- • स्वार्थी (आत्मकेंद्रित) • औरस (संतान के प्रति दायित्व) संबंध से उदासीन • आलसी • विलासी प्रवृत्ति (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	2+3
	-	-	(iii)	• नगर, भवन निर्माण एवं वास्तुकला का अनूठा उदाहरण • सीधी या आड़ी सड़कें, सभा भवन, प्रशासनिक इमारतें, ज्ञानशाला, कोठार आदि का मिलना • मुख्य सड़क पर घर के दरवाजे न खुलना	5

				• सभी घरों का व्यवस्थित होना • अधिकांश घरों का आकार तीस गुणा तीस फुट का होना • पकी हुई ईंटों का प्रयोग • जल-संग्रहण की उचित व्यवस्था • जल-निकासी का उत्तम प्रबंध आदि (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	